आगामी 17 जून को भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में प्रवेश, वैश्विक राजनीति और कूटनीति में भारत का बढ़ेगा कद

एक देश एक कृषि बाजार होने के कारण देश के किसी कोने में बिहार के किसान बेच सकेंगे अपना उत्पाद : सुशील मोदी

नहीं रहे हिट भोजपुरी गाने रिंकिया के पापा के म्यूजिक डायरेक्टर धनंजय मिश्रा, भोजपुरी इंडस्ट्री में शोक की लहर

सोमवार से मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्च और मंदिरों को आम नागरिकों के लिए खोलने को लेकर काफी तेजी से चल रही है तैयारियां, श्रद्धालुओं को भी सख्त अनुशासित नियम का करना होगा पालन

युवराज न्यूज़ टुडे

RNI:- BIHHIN05409

NEWS TODAY Update

www.newstodayupdate.in

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

वर्ष : 06 अंक : 09+05 तिथि : 05 जून 2020 मूल्य : निःशुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल रोजाना अंक

आगामी 17 जून को भारत का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में प्रवेश, वैश्विक राजनीति और कूटनीति में भारत का बढ़ेगा कद

उपलब्धि

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

भारत के एक साल पहले ही एशिया प्रशांत समूह के 55 देशों द्वारा सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए समर्थन मिलने के बाद आगामी 17 जून को भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इसके अस्थायी सदस्य के रूप में प्रवेश करने जा रहा है। इस दिन चुनाव होगा और भारत का चुना जाना लगभग तय है। आगामी चुनाव तो महज इसकी तकनीकी प्रक्रिया है। भारत की यह सदस्यता वर्ष 2021–22 के लिए होगी। सबसे बड़ी बात यह कि पिछले वर्ष जून में हमारी इस दावेदारी का समर्थन जिन देशों ने किया था, उसमें चीन और पाकिस्तान भी शामिल थे। जबकि इस समय इन दोनों देशों के साथ भारत के रिश्ते थोड़े तनावपूर्ण हैं, लेकिन इससे हमारी स्थिति में कोई फर्क नहीं आएगा।

भारत सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनेगा

हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब भारत सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य बनेगा। इससे पहले भी हम सात बार सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य रह चुके हैं। सबसे पहले 1950–51 में और आखिरी बार 2011–12 में हम सुर क्षा परिषद के अस्थायी सदस्य थे। क्या इस बार की हमारी सदस्यता पहले से भिन्न होगी? जवाब है, हां। दरअसल भारत इस बार अपनी नई कद काठी के साथ सुरक्षा परिषद में प्रवेश करने जा रहा है। इसकी कई वज. हें हैं। जिस समय भारत यूएनएससी के अस्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण कर रहा होगा, उसके ठीक पहले हम जी–7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले चुके होंगे तथा दुनिया के इस सबसे ताकतवर संगठन के स्थायी सदस्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे होंगे।

वैश्विक राजनीति और कूटनीति का समीकरण

उल्लेखनीय है कि 10 से 12 जून तक जी–7 शिखर सम्म. लन वाशिंगटन में होना है। हालांकि अब यह सम्मेलन वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये संपन्न होगा। इसके मेजबान देश अमेरिका ने भारत को भी आमंत्रित किया है। यह हमारे लिए एक बड़ा सम्मान है। साथ ही यह एक नए किस्म का वैश्विक दायित्व भी है। कोरोना संकट से गुजरने के बाद वैश्विक राजनीति और कूटनीति का समीकरण पूरी तरह से बदल जाएगा। अमेरिका जिस तरह से कोरोना से प्रभावित हुआ है, उसके चलते अब वह अकेले अपने कंधों पर विश्व की एकल महाशक्ति होने का बोझ हमेशा हमेशा उठाए नहीं रह सकता। उसे एक ऐसा विश्वसनीय दोस्त चाहिए जिसके कंधे का उसे सहारा मिल सके। अमेरिका को भारत इस मामले में बन रहे नए समीकरणों का सबसे विश्वस्त दोस्त लग रहा है। भारत हमेशा से इस वैश्विक दायित्व के लिए तैयार रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निजी संबंधों की केमेस्ट्री तो अच्छी तरह से मिलती ही है, अमेरिका इस बात को भी गंभीरता से मान चुका है कि भविष्य की दुनिया की चुनौतियां भारत जैसे विशाल उपभोक्ता देश के बिना संभालना संभव नहीं है।

पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भारी संकट से जूझ रही

दरअसल बीते वर्षों के दौरान अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में भारत का कद काफी महत्वपूर्ण हुआ है। आज हम जीडीपी के आधार पर दुनिया की पांचवीं आर्थिक शक्ति हैं तो उपभोक्ता संख्या और क्रयशक्ति के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत हैं। इसलिए अब वह वक्त आ गया है, जब भारत की कोई अनदेखी नहीं कर सकता। हालांकि कोरोना संकट के चलते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भारी संकट से जूझ रही है। बावजूद इसके भारत ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था को इस प्रभाव से बाहर निकालने के लिए एक बहुत बड़ी योजना के साथ आत्मनिर्भरता का आह्वान किया है, वह केवल भारत की अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि दुनिया की अर्थव्यवस्था को भी नए सिरे से संभालने, संवारने की कोशिश कर रही है।

राजनीतिक और बदले हुए कूटनीतिक समीकरण

एक बात यह भी है कि तमाम राजनीतिक और बदले हुए कूटनीतिक समीकरणों के चलते भी दुनिया का शक्ति संतुलन नए सिरे से र्निमत हो रहा है। ऐसे निर्णायक समय में भारत का सुरक्षा परिषद जैसी संस्था का सदस्य होना हमारे लिए भी और हमारे पक्ष के देशों के लिए भी बहुत मायने रखता है। भले यह सदस्यता अस्थायी ही क्यों न हो। आने वाले दिनों में दुनिया स्थायी रूप से आतंकवाद को परिभाषित करने जा रही है। इसके अलावा दुनिया महामारी से अस्त–व्यस्त हो चुकी अर्थव्यस्था को भी नया आकार देगी।

जब भी किसी देश, संगठन या संस्था का पुनर्गठन हो रहा होता है तो उसमें हमेशा फायदा उन लोगों को मिलता है जो उस पुनर्गठन के समय ताकतवर होते हैं या दूसरे शब्दों में निर्णायक होते हैं। दुनिया आतं. कवाद से बहुत परेशान है और हाल के दशकों में इस बात का दबाव बन रहा है कि आतंकवाद की एक सर्वमान्य विश्वव्यापी परिभाषा तय हो। सुरक्षा परिषद अगले साल यह कोशिश करने जा रही है। जाहिर है ऐसे में भारत अगर सुरक्षा परिषद का हिस्सा होगा तो वह वैश्विक आतंकवाद को एक ऐसी परिभाषा देने की कोशिश करेगा, जिससे हमें आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ने में आसानी हो।

हालांकि अस्थायी सदस्य होने के कुछ नुकसान भी होंगे जैसे इस पद पर रहते हुए भारत चीन के खिलाफ किसी मीटिंग को आयोजित करने या उसके विरुद्ध प्रस्ताव लाने में असमर्थ रहेगा, क्योंकि तब भारत और चीन एक ही संस्था के हिस्से होंगे। इसलिए एक सदस्य अपनी ही संस्था के दूसरे सदस्य के खिलाफ प्रस्ताव पारित नहीं करवा सकता। लेकिन इस पद पर रहने के कई बड़े फायदे होंगे। दुनिया की अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाने और ताकतवर संगठनों का अहम हिस्सा बन जाने के बाद भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पाना ज्यादा आसान हो जाएगा।

सोमवार से मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्च और मंदिरों को आम नागरिकों के लिए खोलने को लेकर काफी तेजी से चल रही हैं तैयारियां, श्रद्धालुओं को भी सख्त अनुशासित नियम का करना होगा पालन

अनलॉकडाउन 1.0

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

सोमवार से मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्च और मंदिरों को आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके लिए तैयारियां काफी तेजी से चल रहीं हैं। इसे लेकर गृहमंत्रालय ने गाइडलाइन भी जारी किया है। गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से धार्मिक स्थलों को खोलने को लेकर गाइडलाइन जारी की गई है। इसके तहत धार्मिक स्थलों को तमाम नियमों का पालन करना होगा और साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भी सख्त अनुशासित नियम के अनुसार ही पूजा अर्चना की अनुमति दी गई है।

तमिलनाडु स्थित रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर भी सोमवार से खुलने के लिए तैयार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप यहां मूर्तियों या पवित्र पुस्तकों को हाथ लगाना प्रतिबंधित होगा।

देश भर के तमाम धार्मिक स्थलों को खोले जाने के आदेश के बाद लखनऊ की तकवियत–उल–ईमान मस्जिद में जोर–शोर से तैयारियां की जा रही हैं। संक्रमण से बचने के लिए एहतियातन परिसर में लगे नलों को पॉलिथीन से कवर किया गया। मस्जिद प्रबंधन का कहना है, 'हम मस्जिद के अंदर दूरी सुनिश्चित करेंगे। हमने 'मास्क पहनो' संदेश वाले पोस्टर भी लगाए हैं। इनमें अन्य जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मस्जिद कमिटी के सऊद राइस ने बताया, 'मस्जिद में हम शारीरिक दूरी सुनिश्चित कराने के साथ ही श्रद्धालुओं का मास्क पहनना अनिवार्य करेंगे।' '

एक बार में केवल 10 श्रद्धालु

लोधी रोड पर स्थित दिल्ली के साई मंदिर को 8 जून से खोला जाएगा। मंदिर के प्रबंधन ने कहा कि एक बार में यहां केवल दस लोगों के प्रवेश की अनुमति होगी। कनॉट प्लेस के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के पुजारी महंत जगन्नाथ दास ने कहा, 'एक बार में हम 5–10 श्रद्ध ालुओं को ही प्रवेश की अनुमति देंगे। सभी को प्रवेश द्वारा पर बने सैनिटाइजेशन टनल से होकर परिसर में जाना होगा। पुजारियों द्वारा प्रसाद का वितरण नहीं किया जाएगा।'

मूर्तियों को छूने पर पाबंदी

मंदिर के घंटियों से लेकर मूर्तियों तक को छूने पर रोक लगाई गई है। समूह में नृत्य–भजन पर पूरी तरह पाबंदी है लेकिन रिकॉर्ड किए गए धुनों व आरतियों को बजाने की अनुमति है। इसके अलावा श्रद्धालुओं को अपने जूते–चप्पल अपने ही वाहनों के पास उतारने होंगे।

गाइडलाइन के अनुसार

1. केवल उन्हें ही प्रवेश मिलेगा, जिनमें कोविड–19 के लक्षण नहीं होंगे, 2. धार्मिक स्थलों के परिसर में प्रवेश से पहले हाथ और पैर साबुन से धोना जरूरी होगा, 3. प्रवेश द्वार पर ही तापमान चेक किया जाएगा, 4. घंटी बजाने, मूर्ति छूने की होगी मनाही, 5. मास्क बिना होगा प्रवेश वर्जित, 6. मंदिर में लाइन लगाने के लिए उचित दूरी बरकरार रखनी होगी, 7. हाथों से प्रसाद या जल देने पर रोक, 8. एहतियात व नियमों के साथ होगा सामुदायिक रसोई, लंगर, अन्नदान का कामकाज, 9. मंदिर में लाइन लगाने के लिए पर्याप्त दूरी के हिसाब से लगे निशानों में खड़ा होना होगा, 10. गर्भवती महिलाएं, 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग को मनाही, 11. परिसर में थूकने पर पूरी पाबंदी

सैनटाइज किया गया कनॉट प्लेस का हनुमान मंदिर

मंदिरों के दोबारा खोले जाने के मद्देनजर कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में सैनिटाइजेशन का काम दोबारा शुरू हो गया है। हनुमान मंदिर के पुजारी ने बताया,'हमने मंदिर को सैनिटाइज करना शुरू कर दिया है और यहां पर हमने सैनेटाइजेशन टनल भी लगवाया है। श्रद्धालुओं समेत यहां प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति को मास्क लगाना जरूरी होगा।'

कालकाजी मंदिर में सैनिटाइजिंग टनल

देश भर के मंदिरों में घंटियों–घड़ियाल की आवाज आगामी सोमवार से सुनाई देने लगेंगी इसके लिए भगवान की मूर्तियों की साज–सज्जा और श्रृंगार समेत तमाम साफ–सफाई के काम शुरू हो गए हैं। दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर के पुजारी ने बताया,'हम सभी गाइडलाइन का पालन करेंगे। इस क्रम में मुरादाबाद के चामुंडा मंदिर में भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

लॉकडाउन के पांचवे चरण की शुरुआत के साथ ही गृहमंत्रालय की ओर से तमाम गतिविधि ायों के खोलने के आदेश जारी कर दिए गए। इस क्रम में देश भर के तमाम धार्मिक स्थलों को सोमवार, 8 जून से खोल दिया जाएगा।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

वर्ष : 06 | अंक : 09+05 | न्यूज़ टुडे | पृष्ठ संख्या : 02 | तिथि : 05 जून 2020

एक देश एक कृषि बाजार होने के कारण देश के किसी कोने में बिहार के किसान बेच सकेंगे अपना उत्पाद : सुशील मोदी

अच्छी पहल

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने तीन अध्यादेशों के जरिए कृषि क्षेत्र को सभी तरह की नियंत्रण व बाधाओं से मुक्त करने पर प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह से 1991 में पी वी नरसिन्हा राव की सरकार ने उदारीकरण की नीति के तहत उद्योगों को लाइसेंस, परमिट से मुक्त कर दिया था उसी तरह से नरेन्द्र मोदी ने इन अध्यादेशों से देश के कृषि क्षेत्र को सभी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त कर दिया है। अब 'एक देश एक कृषि बाजार' के तहत किसानों को अपने उत्पाद को देश के किसी भी हिस्से में बेचने की स्वतंत्रता होगी। बिहार में एनडीए की सरकार ने तो 2007 में ही बाजार समिति एक्ट (एपीएमसी) को समाप्त कर राज्य के अंदर कहीं भी अपने उत्पाद को बेचने की आजादी दे दी थी, अब वे अपने उत्पादों को हिन्दुस्तान के किसी भी कोने में बिना किसी बाधा के बेच सकेंगे।

सुशील मोदी ने कहा कि अब बिहार के किसानों को अन्य राज्यों के मंडी कानून के मकड़जाल से भी राहत मिलेगी और उन्हें किसी लाइसेंसधारी को ही अपना उत्पाद बेचने की बाध्यता नहीं रहेगी। प्रमुख कृषि उत्पादों आलू, प्याज, दहलन, तेलहन व अन्य अनाज आदि को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की सूची से बाहर करने के फैसले से किसानों को अपनी उपज का उचित कीमत मिल सकेगा।

कान्ट्रैक्ट फार्मिंग के दौरान किसान उत्पादन से पहले ही निर्यातकों व बड़े कारोबारियों से अपनी उपज की कीमत तय कर सकेंगे और अगर बाजार मूल्य कम या आपदा से उपज कम होती है तो भी उन्हें समझौते के दौरान तय मूल्य मिलने और बाजार मूल्य ज्यादा होने पर उसका लाभ मिलने की गारंटी होगी। जमीन के मालिक अपनी जमीन को किसी को भी पट्टे पर देने अथवा किसी और कम्पनी के साथ अनुबंध के आधार पर खेती करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

नहीं रहे हिट भोजपुरी गाने रिंकिया के पापा के म्यूजिक डायरेक्टर धनंजय मिश्रा, भोजपुरी इंडस्ट्री में शोक की लहर

विनम्र श्रद्धांजलि

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए साल 2020 काफी मुश्किल भरा रहा है और ये मुश्किलें अभी भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं. फिल्म इंडस्ट्री से एक के बाद एक दुखद खबरें आने का सिलसिला थम ही नहीं रहा है. आज बॉलीवुड के डायरेक्टर बासु चटर्जी के निधन की खबर आई थी. इस खबर को आने अभी ज्यादा समय भी नहीं बिता है कि अब भोजपुरी इंडस्ट्री से भी एक बुरी खबर आ गई है.

धनंजय मिश्रा के निधन पर भोजपुरी इंडस्ट्री को लगा बड़ा झटका

भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार मनोज तिवारी के लोकप्रिय गाने 'रिंकिया के पापा सहित उनकी कई एलबम्स और फिल्मों में म्यूजिक देने वाले मशहूर भोजपुरी म्यूजिक डायरेक्टर ध नंजय मिश्रा का निधन हो गया है. धनंजय मिश्रा के यूं चले जाने से पूरी भोजपुरी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है. उनके निधन पर भोजपुरी स्टार निरहुआ और खेसारी लाल यादव ने गहरा दुख जताया है. निरहुआ ने ट्वीट कर लिखा, 'भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के हम सब के चहेते संगीतकार धनंजय मिश्रा जी के निधन की खबर से स्तब्ध हूं. आप हमारे दिलों में सदैव रहेंगे. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें.

खबरों की मानें तो 4 जून को सुबह 7 बजे मुम्बई में धनंजय मिश्रा का निधन हो गया था. मुंबई से सटे मीरा भायंदर में उनका अंतिम संस्कार किया गया. धनंजय मिश्रा, मीरा रोड में स्थित घर पर रहते थे लेकिन उनका ओशिवाड़ा में भी एक रूम था, जहां वे संगीत की तैयारी करते थे. बताया जा रहा है कि यहीं उनकी तबियत खराब हुई. वे डायबिटीज के मरीज भी थे.

उनके निधन पर भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्रीज के सांसद मनोज तिवारी, सांसद रवि किशन, दिनेशलाल यादव निरहुआ, खेसारी लाल यादव, पवन सिंह, अवधेश मिश्रा, कुणाल, ब्रजेश त्रिपाठी, संजय पांडेय, सुशील सिंह, यश कुमार, संजय कुमार श्रीवास्तव, राज कुमार आर पांडेय, आशुतोष खरे, ब्रजभूषण, डा. राजेश अस्थाना, अजय श्रीवास्तव, अभय सिन्हा, आम्रप. ाली दुबे, अक्षरा सिंह, अंजलि सिंह, माया यादव, धामा वर्मा, सोनू पांडेय, देव सिंह, प्रवेश लाल यादव, आर आर प्रिंस समेत सैकड़ों कलाकारों, फिल्म निर्माता–निर्देशकों एवं भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किया है।

पर्यावरण दिवस पर बड़ी लकीर खींचने की कवायद में सामाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन ने शिक्षण संस्थाओं में लगाए पौधे

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पर्यावरण दिवस पर बड़ी लकीर खींचने की कवायद में सामाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन ने एक दिन पूर्व गुरूवार को शहर के बड़े शिक्षण संस्थानों में पौधारोपण का अभियान चलाया। जामुन और आम के पौधे लगाए। वहीं शुक्रवार को न्यायालय परिसर सहित कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा।

ग्रीन एंड क्लीन के संस्थापक अध्यक्ष व नगर पार्षद अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में संस्था के 20 सदस्य सकारात्मक उर्जा के साथ ज्ञान बाबू चौक पर एकत्रित हुए। यहां से पौधों को अपने कंधे पर रखकर श्रीनारायण सिंह कॉलेज गए। यहां आम के पौधे रोपे गए। इसके बाद सदस्यों का कारवां गोपाल साह विद्यालय की ओर गया। यहां प्राचार्य और सदस्यों ने मिलकर पौधे लगाए। इसके बाद सदस्यों ने माडर्न पब्लिक स्कूल में पौधारोपण का अभियान चलाया।

स्कूल के एमडी बसंत जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि ग्रीन एंड क्लीन पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रही है। हम जितने पौधे लगाएंगे, हमारी सांसें उतनी बढ़ेंगी। पेड़–पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। वहीं, गोपाल साह की प्राचार्य उषा किरण सिन्हा ने कहा कि इस आधुनिक युग में पेड़–पौधों की महत्ता बढ़ गई है। पर्यावरण को महत्व नहीं देने की वजह से लोग कई बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। शुद्ध हवा तक नहीं मिल रही है। ग्रीन एंड क्लीन जैसी संस्थाओं के पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने से सुखद भविष्य का अहसास होता है।

संस्था के अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि शहर में बड़े स्तर पर पौधारोपण चलाने की योजना है। हम लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहे हैं। बेहतर पर्यावरण ही हमारा मकसद है।

इस मौके पर रिटायर शिक्षक व वरीय संस्कृतिकर्मी अमित सेन, संजय कुमार उर्फ टुन्ना, कौशल सिंह, ओम वर्मा, नारायण राम, अजय वर्मा, भरत गुप्ता, चौंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव सुधीर कुमार गुप्ता, समाजसेवी अजय कुमार गुप्ता, आलोक रंजन, विवेक वर्मा आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

वरिष्ठ पत्रकार जेजे न्यूज के संपादक अनिल पांडेय का इलाज के दौरान हार्ट अटैक से देहावसान, शोक में पत्रकार समाज

विनम्र श्रद्धांजलि

सम्राट, संवाददाता

मुंगेर के वरिष्ठ पत्रकार और कलम के सच्चे सिपाही नन्हे रिपोर्टर तथा जेजे न्यूज के संपादक अनिल पांडे का देहावसान बुधवार की रात्रि इलाज के दौरान हर्ट अटैक से रेलवे अस्पताल जमालपुर में हो गया। दिवंगत पत्रकार अनिल पांडे के निधन से मीडिया कर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई है। दिवंगत पत्रकार अपने पीछे एक मासूम पुत्र एवं दो पुत्री सहित पत्नी को छोड़ गए। गंगा तट पर इनके इकलौते पुत्र विष्णु पांडेय ने मुखाग्नि दी।

इनके आक्समिक निधन पर डब्ल्यूजेएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कौशल, राष्ट्रीय महासचिव अमित रंजन और राष्ट्रीय संयुक्त सचिव डा. राजेश अस्थाना ने शोक संवेदना व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कौशल ने कहा कि अनिल पांडे जनसरोकार के पत्रकार थे जिन्होंने ताजिन्दगी मूल्यों की पत्रकारिता की इनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति हुई है।

इनके निधन पर डब्ल्यूजेएआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रजनीशकांत, माधो सिंह, आशीष शर्मा, अमिताभ ओझा, हर्षवर्धन द्विवेदी, सचिव निखिल केडी वर्मा, मुरली मनोहर श्रीवास्तव, सुरभित दत्त, टी. स्वामीनाथन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश अश्क, संयुक्त सचिव मधूप मणि पिक्कू, रमेश पांडेय, डॉ. लीना, मनोकामना सिंह, जीतेंद्र कुमार सिंह, पंकज कुमार, कार्यकारिणी सदस्य चंदन कुमार चंचल, चंदन कुमार, संजय कुमार पांडेय, रंजन श्रीवास्तव, बालकृष्ण आदि ने शोक संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से इनकी आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

गंडक नदी पर निर्मित सत्तरघाट पुल व लखीसराय में बाइपास रोड का 16 जून को विधिवत उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

रिंकू गिरी,
संवाददाता

न्यूज टुडे टीम अपडेट : पटनाध बिहार : बिहार के पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने कहा है कि आगामी 16 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंडक नदी पर नवनिर्मित सत्तर घाट पुल और ल खीसराय बाइपास रोड का उद्घाटन करेंगे, वहीं सासाराम के उत्तरी बाइपास के निर्माण के प्रथम चरण की परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे।

गंडक नदी पर निर्मित सत्तरघाट पुल सारण और तिरहुत प्रमंडल को आपस में दूरी करेगा कम

यादव ने आज यहां बताया कि गंडक नदी पर निर्मित सत्तरघाट पुल सारण और तिरहुत प्रमंडल को आपस में निकटता प्रदान करेगा। 263.47 करोड़ रूपये की लागत से 1440 किमी लंबे पुल का निर्माण बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने किया है। यह पुल गंडक नदी पर बैकुंठपुर से चकिया को जोड़ेगा। इससे सीवान, छपरा, गोपालगंज होते हुए नेशनल हाइवे–28 के जरिये उत्तर बिहार के अधिसंख्य जिलों की संपर्कता हो जायेगी।इस पुल से पटना से मशरख होते हुए रक्सौल तक सीधा रास्ता उपलब्ध हो जायेगा।

लखीसराय शहर को जाम की समस्या से मिलेगा निजात

इस पुल का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 20 अप्रैल, 2012 को किया था और जनवरी 2019 में एरियल सर्वे किया था। इसी प्रकार 146.3107 करोड़ की लागत से लखीसराय में बाइपास रोड का भी 16 जून को ही मुख्यमंत्री श् नीतीश कुमार विधिवत उद्घाटन किया जाएगा। पथ निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस लखीसराय बाइपास में अवस्थित दोनों रेलवे लाईन पर समेकित आर.ओ.बी का निर्माण किया गया है। इस पुल परियोजना की कुल लम्बाई 6.593 किमी है। इसके बनने से लखीसराय शहर को जाम की समस्या से निजात मिल जायेगा।

नंद किशोर यादव ने बताया कि इसी प्रकार रोहतास जिले के सासाराम शहर के उत्तरी बाइपास के निर्माण की 122.39 करोड़ रूपये की प्रथम चरण परियोजना का शिलान्यास 16 जून को ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। यह पथ दो लेन का होगा। इसके अंतर्गत रेल लाईन पर आरओबी के अलावा स्टेट हाइवे 17 एवं 12 पर भीयूपी (व्हीकल अंडर पास) का निर्माण किया जायेगा। इसके बन जाने से सासाराम शहर के पश्चिमी से उत्तरी सीधी संपर्कता मिल जायेगी और बरास्ता सासाराम आरा से बनारस जाने के लिए सासाराम शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

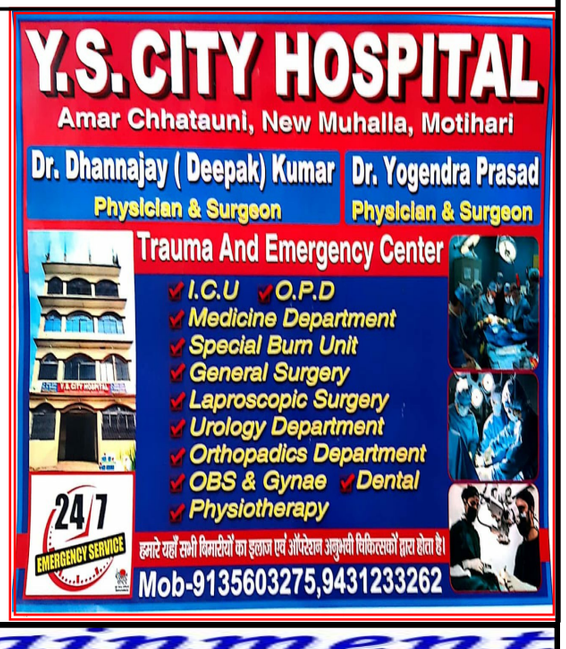

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830